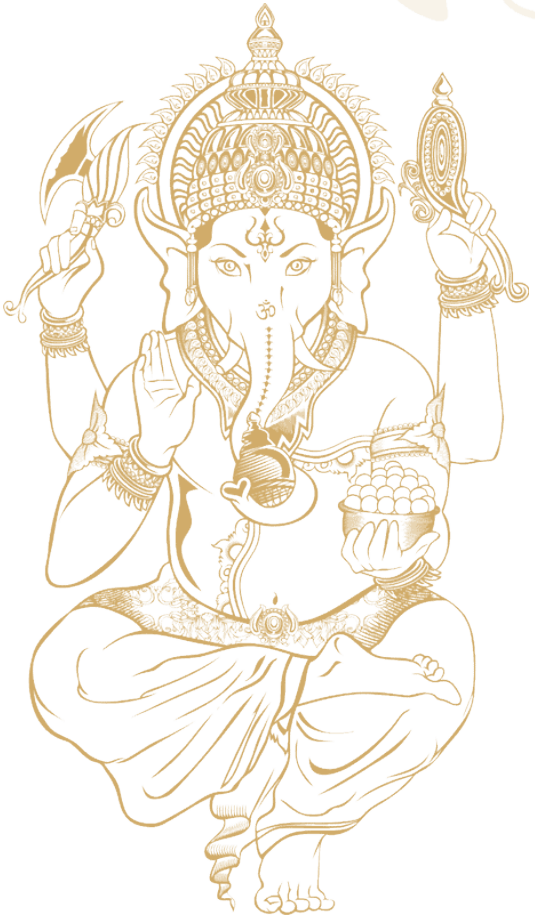

Shubham Sharma

14 Jun 1996

03:50 PM

Gohana

Model: web-freekundliweb

Order No: 120961302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/06/1996**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**15:50:00 घंटे**
इष्ट	26:05:18 घटी
स्थान	**Gohana**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:06:00 उत्तर
रेखांश	76:43:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:26:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:15 घंटे
साम्पातिक काल	08:58:50 घंटे
सूर्योदय	05:23:52 घंटे
सूर्यास्त	19:23:02 घंटे
दिनमान	13:59:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:49:22 वृष
लग्न के अंश	15:02:33 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:02:33	308:25:43	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			वृष	29:49:22	00:57:20	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	11:22:56	12:20:26	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	07:29:28	00:42:51	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	सम राशि
बुध			वृष	06:48:06	01:10:43	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	21:24:17	00:06:37	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र	व	अ	वृष	23:55:21	00:35:53	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	स्वराशि
शनि			मीन	12:36:28	00:03:21	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	21:00:27	00:09:18	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	21:00:27	00:09:18	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:15:08	00:01:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:25:02	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:19:25	00:01:30	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	18:26:22	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:31

लग्न-चलित

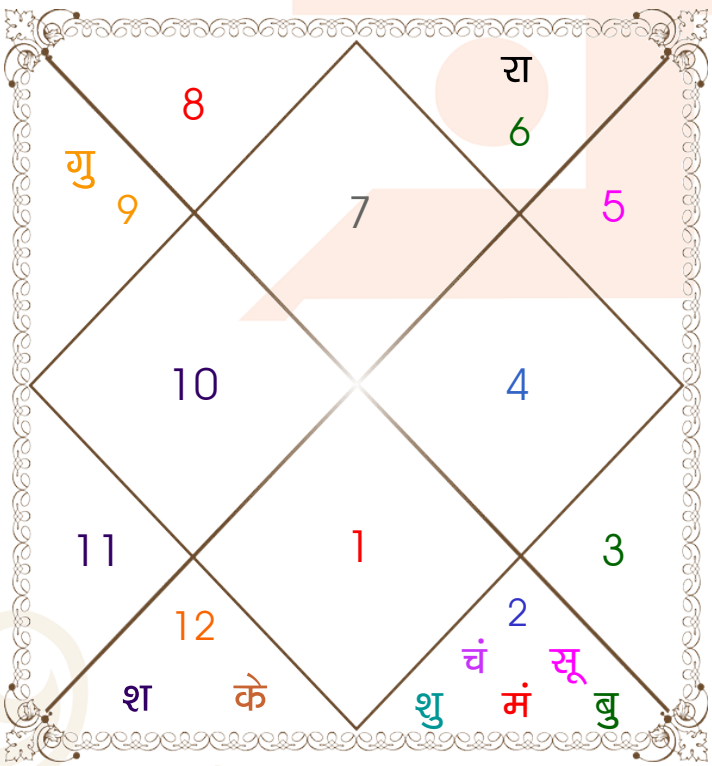

चन्द्र कुंडली

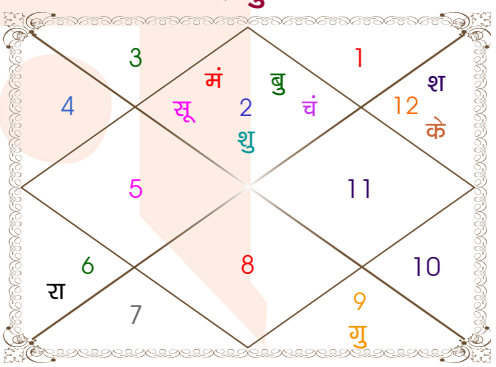

नवमांश कुंडली

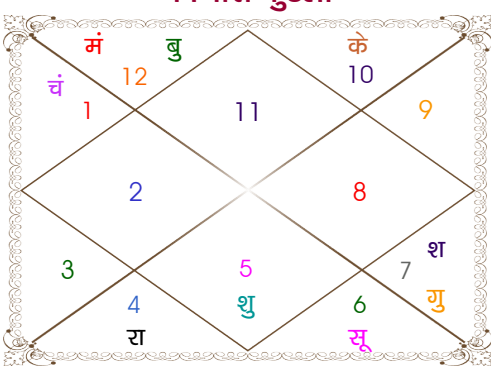

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 11 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/06/1996		01/06/2005		01/06/2012		01/06/2030		01/06/2046	
01/06/2005		01/06/2012		01/06/2030		01/06/2046		01/06/2065	
	14/06/1996	मंगल	28/10/2005	राहु	12/02/2015	गुरु	19/07/2032	शनि	04/06/2049
मंगल	31/10/1996	राहु	16/11/2006	गुरु	08/07/2017	शनि	31/01/2035	बुध	12/02/2052
राहु	02/05/1998	गुरु	23/10/2007	शनि	14/05/2020	बुध	08/05/2037	केतु	23/03/2053
गुरु	01/09/1999	शनि	30/11/2008	बुध	01/12/2022	केतु	14/04/2038	शुक्र	23/05/2056
शनि	01/04/2001	बुध	28/11/2009	केतु	19/12/2023	शुक्र	13/12/2040	सूर्य	05/05/2057
बुध	01/09/2002	केतु	26/04/2010	शुक्र	19/12/2026	सूर्य	01/10/2041	चंद्र	04/12/2058
केतु	02/04/2003	शुक्र	26/06/2011	सूर्य	13/11/2027	चंद्र	31/01/2043	मंगल	13/01/2060
शुक्र	30/11/2004	सूर्य	01/11/2011	चंद्र	14/05/2029	मंगल	07/01/2044	राहु	19/11/2062
सूर्य	01/06/2005	चंद्र	01/06/2012	मंगल	01/06/2030	राहु	01/06/2046	गुरु	01/06/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/06/2065		01/06/2082		01/06/2089		02/06/2109		03/06/2115	
01/06/2082		01/06/2089		02/06/2109		03/06/2115		00/00/0000	
बुध	29/10/2067	केतु	28/10/2082	शुक्र	01/10/2092	सूर्य	20/09/2109	चंद्र	02/04/2116
केतु	25/10/2068	शुक्र	29/12/2083	सूर्य	01/10/2093	चंद्र	21/03/2110	मंगल	15/06/2116
शुक्र	26/08/2071	सूर्य	04/05/2084	चंद्र	02/06/2095	मंगल	27/07/2110		00/00/0000
सूर्य	01/07/2072	चंद्र	03/12/2084	मंगल	01/08/2096	राहु	21/06/2111		00/00/0000
चंद्र	01/12/2073	मंगल	02/05/2085	राहु	01/08/2099	गुरु	08/04/2112		00/00/0000
मंगल	28/11/2074	राहु	20/05/2086	गुरु	02/04/2102	शनि	21/03/2113		00/00/0000
राहु	16/06/2077	गुरु	26/04/2087	शनि	02/06/2105	बुध	25/01/2114		00/00/0000
गुरु	22/09/2079	शनि	04/06/2088	बुध	02/04/2108	केतु	02/06/2114		00/00/0000
शनि	01/06/2082	बुध	01/06/2089	केतु	02/06/2109	शुक्र	03/06/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।